IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

माध्यमिक स्तर के बालको के संवेगों पर डिजिटल तकनीकी का प्रभाव

तगाराम कोंडलराव*
एसिस्टैंट प्रोफेसर इन एजुकेशन
दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टिट्यूट
आगरा उत्तर प्रदेश
प्रीति बघेल**
एम्। एड छात्र
दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टिट्यूट
आगरा उत्तर प्रदेश

शोध सारांश

आज का समाज आधुनिक–केंद्रित कम्प्युटर केंद्रित जीवन शैली को दर्शाता है जिसमें आधुनिक कक्षा में कम्प्युटर का तेजी से प्रवाह शामिल है। सूचना और संचार प्रौघोगिकी शिक्षा में इक्विटी गुणवत्ता सीखने और शिक्षण शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और अधिक कुशल शिक्षा प्रबंधन प्रशासन के लिए सार्वभौमिक पहुंच में योगदान कर सकते हैं। डिजिटल तकनीकि के माध्यम से बालकों की मानसिक कार्यक्षमता का विकास होता है तथा साथ ही साथ डिजिटल तकनीकि की सहायता से बालकों में अधिगम के प्रति रूचि भी उत्पन्न होती है दिहितक तकनीकि की सहायता से बालक बिना पुस्तक , शिक्षक तथा अध्ययन कर सकते है तथा डिजिटल तकनीकी क माध्यम से अधिगम सामग्री को दीर्घकाल तक सुरक्षित तथा संग्रहित भी जाता है । माध्यमिक स्तर के छात्रों की संवेगों पर डिजिटल तकनीकी का प्रभाव का अध्ययन हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। माध्यमिक स्तर क छात्र–छात्राओं की ८ सांवेगिक परिपक्वता अन्तर पाया गया। डिजिटल प्रौघोगिकी परिसूची में प्राप्त अंकों के आधार पर उन्हें उच्च, औसत एवं निम्न तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया ह। वह विद्यालय में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित एवं शक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने के लिए स्वस्थ वातावरण तथा सुविधाएं प्रदान कर सकते हैं।

शब्द कुंजी: माध्यमिक स्तर, डिजिटल तकनीकी, संवेग, प्रभाव, मानसिक कार्यक्षमता

प्रस्तावना

संवेग का अर्थ – है– भड़क जाना अथवा उद्दीप्त होना संवेग भाग अनुभूति के अति निकट होने के कारण, जब भाव की मात्रा बढती है तब शरीर उद्दीप्त हो जाता है, इस उद्दीप्त अवस्था को ही संवेग कहते है । यंग (1943, 1961) के अनुसार, संवेग सम्पूर्ण व्यक्ति का तीव्र उपद्रव है इसकी उत्पति मनोवैज्ञानिक कारणों से होती है तथा इसमें व्यवहार, चेतन अनुभव, अन्तरावयव क्रियाएं सम्मिलित हैं सूचना और संचार प्रौघोगिकी आईसीटी प्रौघोगिकियों को संदर्भित करता है जो दूरसंचार के माध्यम से सूचना तक पहुंच प्रदान करती है। यह सूचना प्रौघोगिकि (आईटी) के समान है लेकिन मुख्यतः संचार प्रौघोगिकि पर केंद्रित है। इसमें इंटरनेट वायरलेस नेटवर्क सेल फोन और अन्य संचार माध्यम शामिल हैं। पिछले कुछ दशकों में सूचना और संचार प्रौघोगिकियो ने नई संचार क्षमताओं के विशाल सारणी के साथ समाज को प्रदान की है। उदाहरण के लिए लोग वास्तविक समय में अन्य भाषाओं के साथ त्वरित संदेश भेजने आईपी (वीओआईपी) और वीडियो–कॉन्फ्रेंसिंग पर आवाज जैसे प्रौघोगिकियों का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद कर सकते हैं। फेसबुक जैसी सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्स दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं को संपर्क में रहती हैं और नियमित आधार पर संवाद कर सकते हैं। फेसबुक जैसी सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्स दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं को संपर्क में रहती हैं और नियमित आधार पर संवाद करती हैं। आधुनिक सूचना और संचार प्रौघोगिकियों ने एक ष्वैश्विक गांव बनाया है जिसमें लोग दुनिया भर में दूसरों के साथ संवाद कर सकते हैं जैसे कि वे अगले दरवाज़े में रह रहे थे। इस कारण से आईसीटी का अक्सर अध्ययन किया जाता है कि आधुनिक संचार प्रौद्योगिकियों ने समाज को कैसे प्रभावित किया ळें

समस्या का प्रादुर्भाव–

डिजिटल तकनीकी का प्रयोग वर्तमान समय में प्रत्येक क्षेत्र में किया जा रहा है शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी के प्रयोग के द्वारा शिक्षा को सरल तथा रुचिकर बनाया है लेकिन डिजिटल तकनीकि के द्वारा बालक शिक्षक, ट्यूटर तथा पुस्तकों पर निर्भर नहीं है बल्कि इन्टरनेट के माध्यम से अधिगम तथा शैक्षिक कार्य करते है जिसके द्वारा उनमे कार्य के प्रति आलस्य देखने को मिलता है तथा बालक पूर्णत डिजिटल तकनीकि पर निर्भर होते है डिजिटल तकनीकि के द्वारा कार्य जितने सरल होती जा जा रही है । इस संक्षिप्त समीक्षा दो मुख्य क्षेत्रों में आयोजित किया गया हैरू एक तरफ तकनीक (विशेषकर मोबाइल फोन) के उपयोग से जुड़े संवेगों और दूसरी एक ऐसी जगह के रूप में इंटरनेट जिसमें संवेगों को सक्रिय और व्यक्त किया जाता है मैंने निष्कर्ष निकाला है कि तकनीक न केवल उपयोगकर्ताओं में संवेगों को उगलती है और स्नेह की अभिव्यक्ति के लिए एक चैनल के रूप में कार्य करती है बल्कि जिस तरह से इस स्नेह को नियंत्रित किया जाता है इसे देखा जाता है और प्रदर्शित किया जाता है।

समस्या कथन

माध्यमिक स्तर के बालको के संवेगों पर डिजिटल तकनीकी का प्रभाव का अध्ययन"

अध्ययन में प्रयुक्त भाब्दों की व्याख्या

संवेग

वुडवर्थ (1952) के अनुसार, संवेग जीव के आवेश में आने या भड़क उठने अथवा उद्दीप्त होने की अवस्था है।यह अनुभूति की उद्दीप्त अवस्था है, जिसे व्यक्ति स्वयं अनुभव करता है पेशियों और ग्रन्थियो में गडबडी बाह्य निरीक्षक को भी दृष्टिगोचर होती हैद्य

डिजिटल तकनीकि

डिजिटल तकनीक में सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अनुप्रयोग शामिल हैं जो संख्यात्मक कोड के रूप में जानकारी का उपयोग करते हैं। यह सूचना आमतौर पर द्विआधारी कोड में होती है–वह कोड जिसे केवल दो अंकीय वर्णों के तारके द्वारा प्रदर्शित किया जा सकता है। ये अक्षर आमतौर पर 0 और 1 हैं।

माध्यमिक स्तर

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में माध्यमिक स्तर को दो भागों में विभाजित किया गया है

क. निम्न माध्यमिक स्तर कक्षा 9 व 10

ख. उच्च माध्यमिक स्तर कक्षा 11 व 12

अध्ययन के उद्देश्य

- माध्यमिक स्तर के छात्रों की संवेगात्मक परिपक्वता का अध्ययन करना ।
- माध्यमिक स्तर के छात्रों के द्वारा डिजीटल तकनीकि के प्रयोग का का अध्ययन करना ।
- माध्यमिक स्तर पर छात्रों की संवेगों पर डिजिटल प्रौघोगिकी के प्रभाव का अध्ययन करना ।
- माध्यमिक स्तर पर डिजिटल प्रौघोगिकी और छात्रों संवेगों के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना ।

अध्ययन की परिकल्पना

- माध्यमिक स्तर पर छात्रों की संवेगों पर डिजिटल प्रौद्योगिकी के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं होगा ।
- माध्यमिक स्तर पर छात्रों की संवेगों तथा डिजिटल तकनीकि के मध्य कोई सह–सम्बन्ध नहीं होगा ।

अध्ययन का न्यायदर्श चयन –

प्रस्तुत शोध अध्ययन में विघालय चयन हेतु इलाहाबाद बोर्ड द्वारा संचालित उच्चत्तर माध्यमिक विघालयों का न्यायदर्श चयन की सौद्देश्य विधि द्वारा चयन किया गया विघालय की कक्षा 9 के 100–100 विघार्थियो का चयन किया गया ।

उपकरण– प्रस्तुत शोध में संवेगात्मक परिपक्वता स्केल ;डा0 यशवीर भार्गव डा0 महेश भार्गव), डिजिटल तकनीकि स्केल ;स्व निर्मित उपकरण . वैधता 0.64) का प्रयोग किया

सांख्यिकी गणना – प्रस्तुत शोध अध्ययन में माध्य , मानक विचलन तथा स्पीअर मैंन के रैंक सहसबंधं गुणाकं , टी टेस्ट का प्रयोग किया

प्रथम उद्देश्य .माध्यमिक स्तर पर छात्रों की संवेगात्मक परिपक्वता का अध्ययन करना

शोध के प्रथम उद्देश्य की प्राप्ति हेतु माध्यमिक स्तर के छात्रों के संवेगात्मक परिपक्वता पर प्राप्त प्राप्तांको को एकत्रित किया तत्पश्चात उन्हें निम्न प्रकार से वर्गीक्रत किया –

तालिका 1 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियो संवेगात्मक परिपक्वता की के प्राप्तांको के प्रतिशत का विवरण

वर्ग अन्तराल	छात्रों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणित विचलन	प्रतिशत	टप्पणी
140-180	24	149.20	6.7	30%	उच्च
100-140	56			50%	औसत
60-100	20			20 %	निम्न

उपरोक्त तालिका द्वारा स्पश्ट है कि में माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत 100 से 140 के अन्तर्गत आने वाले छात्रों को औसत श्रेणी में तथा 140 से अधिक के अन्तर्गत आने वाले छात्रों को उच्च श्रेणी में तथा 100 से कम के अन्तर्गत आने वाले छात्रों को निम्न श्रेणी में विभाजित किया गया है। उपर्युक्त श्रेणी से स्पश्ट होता है कि उच्च सांवेगिक परिपक्वता वाले छात्रों का प्रतिशत 30ः एवं औसत सांवेगिक परिपक्वता वाले छात्रों का प्रतिशत 50ः तथा निम्न सांवेगिक परिपक्वता वाले छात्रों का प्रतिशत 20ः है। जिनका प्रतिशत विवरण आरेख संख्या 1.1 में दर्शाया गया है ।

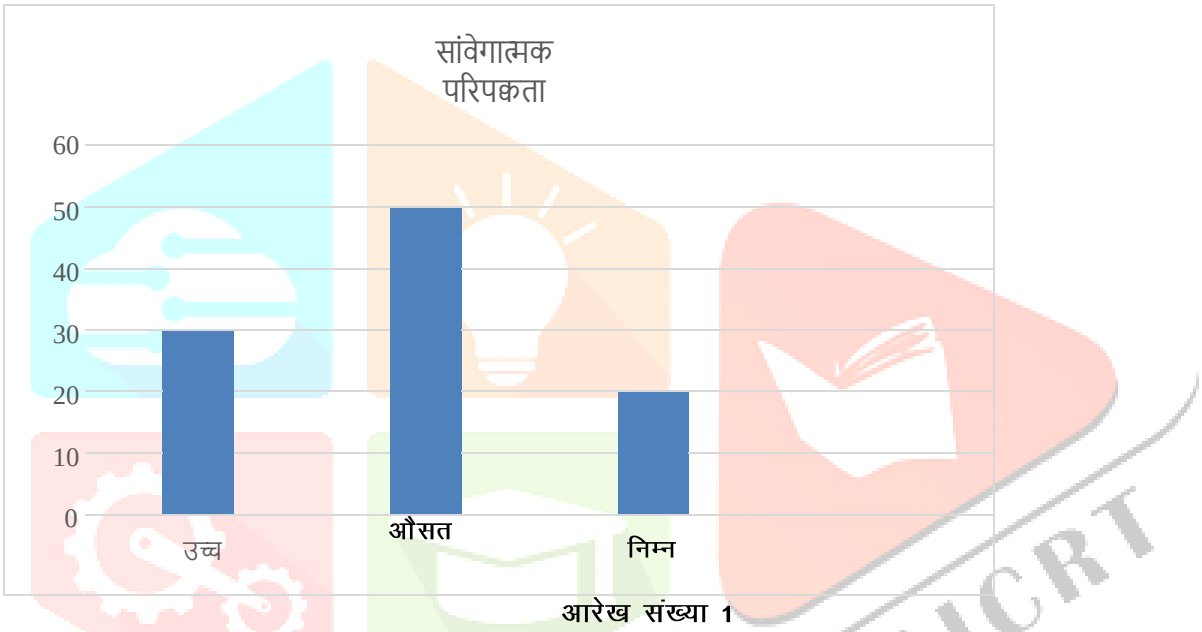

आरेख संख्या 1

द्वितीय उद्देशय. माध्यमिक स्तर के छात्रों के द्वारा डिजीटल तकनीकि के प्रयोग का का अध्ययन करना
उपरोक्त उद्देशय की पूर्ति हेतु भोधकर्ता द्वारा माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 9 छात्रों का चयन किया गया। शोधकर्ता कर्ता के द्वारा स्वयं निर्मित उपकरण डिजिटल प्रौघोगिकी परिसूची में प्राप्त अंकों के आधार पर उन्हें उच्च, औसत एवं निम्न तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है जिसे निम्नलिखित तालिका में प्रदशित किया गया है–

तालिका 2 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियो की डिजीटल तकनीकि के प्राप्तांको के प्रतिशत का विवरण

वर्ग अन्तराल	छात्रों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणित विचलन	प्रतिशत	टप्पणी
140-180	25	158.08	7.02	28.4%	उच्च
100-140	60			61.6%	औसत
60-100	15			10 %	निम्न

उपरोक्त तालिका द्वारा स्पश्ट है कि माध्यमिकस्तर के छात्रोंअध्ययनरत 140–180 के अन्तर्गत आने वाले छात्रों को औसत श्रेणी में तथा 100–140 के अन्तर्गत आने वाले छात्रों को उच्च श्रेणी में तथा 60–100 से कम के अन्तर्गत आने वालेछात्रों को निम्न श्रेणी में विभाजित किया गया है। उपर्युक्त श्रेणी से स्पश्ट होता है कि डिजिटल प्रोघोगिकीका उच्च प्रयोग करने वाले छात्रों का 28.3 प्रतिशत एवं डिजिटल प्रौघोगिकी का औसतकरने प्रयोगवाले छात्रों का 61.6 प्रतिशत तथा निम्न डिजिटल प्रौघोगिकीका निम्न प्रयोगवाले छात्रों का प्रतिशात 10 है। जिनका प्रतिशत विवरण आरेख संख्या 2 में दर्शाया गया है ।

आरेख संख्या 2 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियो ं डिजिटल तकनीकि का अध्ययन को दर्शाता वृत्त चित्र

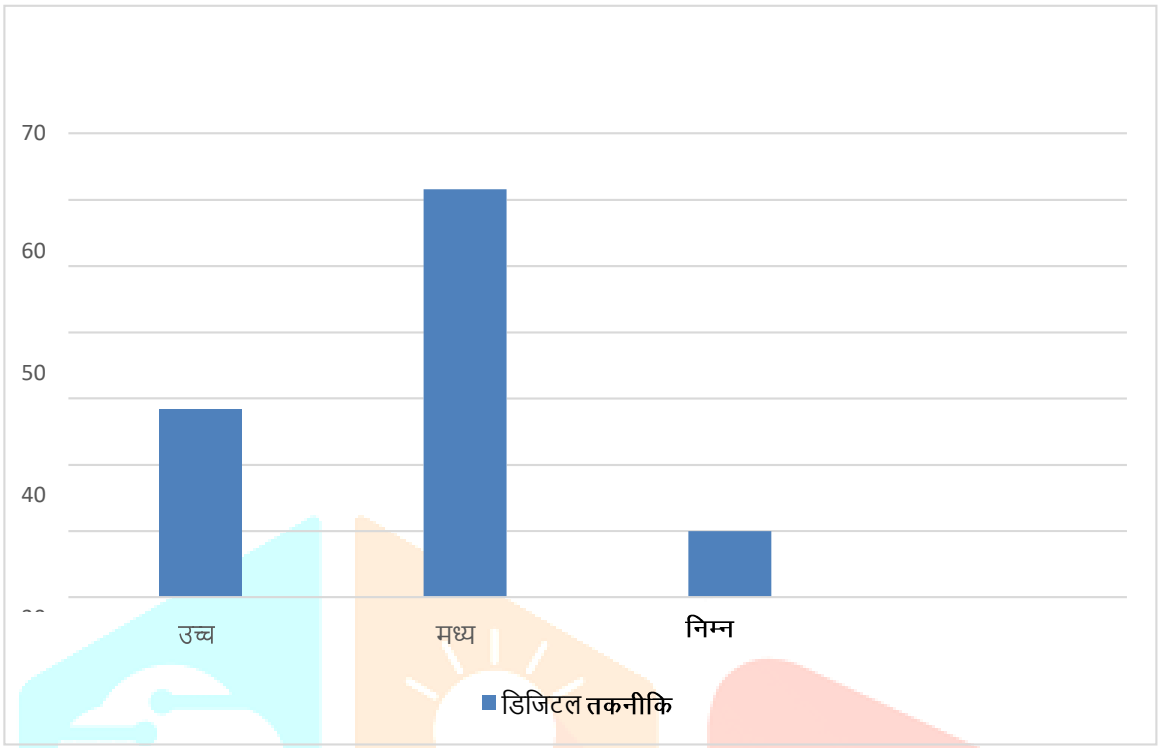

आरेख संख्या 2.1

तृतीय उद्देशय. माध्यमिक स्तर पर छात्रों की संवेगों पर डिजिटल तकनीकि के प्रभाव का अध्ययन करना

शोध के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु शोधार्थनी के द्वारा माध्यमिक स्तर के छात्रों को तीन विभागों में विभाजीत करने के बाद उक्त तीनो वर्गो के छात्रों के संवेगों पर डिजिटल तकनीकि के प्रभाव को देखा जिसकावर्गीकरण निम्नलिखित है.

तालिका 3. माध्यमिक स्तर पर छात्रों की संवेगों पर डिजिटल तकनीकि पर प्रभाव का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी मान का विवरण

चर	मध्यमान	प्रमाणित विचलन	टी– मान	सार्थकता स्तर
संवेगात्मक परिपक्वता	149.20	6.7	1.987	0.05
डिजीटल तकनीकि	158.08	7.02		

आरेख संख्या 3. माध्यमिक स्तर पर छात्रों की संवेगों पर डिजिटल तकनीकि पर प्रभाव का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी मान का दर्शाता वृत्त चित्र

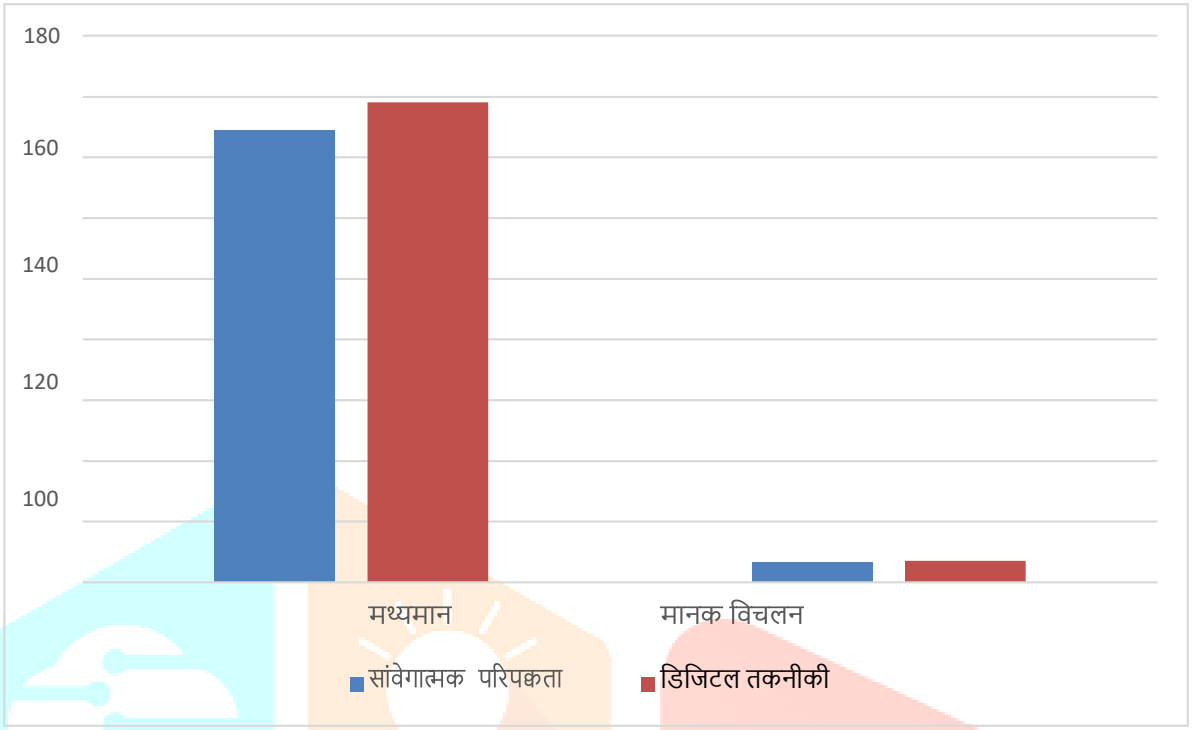

आरेख संख्या 3

उपरोक्त तालिका द्वारा स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के छात्रों की सांवेगिक परिपक्वता का मध्यमान 149.20 तथा मानक विचलन 6.7 प्राप्त हुआ है। डिजिटल तकनीकि से सम्बनधित मध्यमान 158.08 तथा मानक विचलन 7.02 प्राप्त हुआ है टी– मान 1.987 प्राप्त हुआ है।चतुर्थ माध्यमिक स्तर पर डिजिटल तकनीकिऔर छात्रों संवेगों के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन करना

उपराक्त उद्देशय की पूर्ति हेतु भाोधकर्ता द्वारा स्पीयरमैन सह सम्बन्ध का प्रयोग किया गया है जिसके द्वारा माध्यमिक स्तर के छात्रों के संवेगात्मक परिपक्वता तथा डिजिटल तकनीकि के मध्य सह सम्बन्ध निकाला गया जो कि निम्न तालिका में प्रदर्शित किया गया है ।

तालिका 4 माध्यमिक स्तर पर डिजिटल तकनीकिऔर छात्रों संवेगों के मध्य सहसंबंध गुणांक का विवरण

चर	मध्यमान	प्रमाणित विचलन	स्पीयरमैन रैंक सहसंबंध गुणांक (r)	सार्थकता स्तर
संवेगात्मक परिपक्वता	149.20	6.7	0.199	0.05
डिजीटल तकनीकि	158.08	7.02		

उपरोक्त तालिका द्वारा स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के छात्रों के संवेगात्मक परिपक्वता तथा डिजिटल तकनीकि के मध्य सह सम्बन्ध निकाला गया जोकि .0199 प्राप्त हुआ जिससे यह ज्ञात होता है की माध्यमिक स्तर पर छात्रों की संवेगों तथा डिजिटल तकनीकि के मध्य कोई सह–सम्बन्ध नहीं है जो 0.05 स्तर पर सार्थक सिद्ध हुआ ।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध अध्ययन के अंतर्गत हम कह सकते है की छात्रों की संवेगात्मक एवं डिजिटल तकनीकि से सम्बनधित मध्यमान क्रमशः 149.20 प्रतिशत तथा 158.08 प्रतिशत प्राप्त हुए है एवं सम्बनधित मानक 6.7 तथा 7.2 प्रतिशत प्राप्त हुए है टी– मान 1.87 प्रतिशत प्राप्त हुआ जो 0.05 स्तर पर साथक सिद्ध हुआ है तथा सह सम्बन्ध गुणांक 0.199 प्राप्त हुआ है जो 0.05 स्तर पर सार्थक सिद्ध हुआ जो की यह दर्शाता की माध्यमिक स्तर पर छात्रों के संवेगों पर डिजिटल तकनीकि का कोई प्रभाव पड़ता है । प्रस्तुत उपलब्धियों के आधार पर निष्कर्ष के रूप में कह सकते है की माध्यमिक स्तर क छात्रों के संवेगों पर डिजिटल प्रोघोगिकी के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है तथा ना ही कोई सह– सम्बन्ध है । इस आधार पर कह सकते है की माध्यमिक स्तर के छात्रों के संवेगों पर डिजिटल प्रोघोगिकी का प्रभाव नहीं पड़ता है । सोनिका यादव (2011)द्वारा किये गये शोध भमाध्यमिक स्तर के शिक्षको की कंप्यूटर शिक्षा के प्रति अध्ययन" में भी कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। जेवियर सेरानो–पुचे 2012 भावनाओं और डिजिटल प्रौद्योगिकी" ,मीडिया अध्ययन में अनुसंधान के क्षेत्र का मानचित्रणद्ध ने भी अपने शोध में भी यही निष्कर्ष निकलाकी डिजिटल प्रोघोगिकी का संवेगों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ

साहब, डॉ. लाल (1984) मापन, मल्यांकन एंव सांख्यिकी, डिस्कवरी, पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली।
गैरिट हनैरी इ. (1986), स्टेटिस्टिकस इन साइकालॉजी एण्ड एजूकेशन , लीगमेन्स, ग्रीन एण्ड कम्पनी न्यूयार्क।
जायसवाल, डा. सीताराम , (1992) " शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्शा " आगरा विनोद पुस्तक मन्दिर।
भार्मा डॉ. आर. ए. एवं चतुर्वेदी ,डा. शिखा, (1996), भौक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन एवं परामर्शा, मेरठ लायल बुक डिपो।
गुडबार एवं स्केटस , (1996), मैथडोलॉजी ऑफ रिसर्च साइकालॉजी, सैन्चुरी न्यूयार्क।
पाण्डेय के. पी. (1999) भौक्षिक अनुसंधान विशवविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
भार्मा डॉ. आर. ए. (2001), शिक्षा अनुसंधान आर. लाल बुक डिपो मरेठ।
कॉल लौके"ा (2004), भौक्षिक अनुसंधान की कार्यप्रणाली –विकास पब्लिशिग हाउस प्रा. लि.।
राजकुमार, रीता, (2008) आपेन वाकशनल ऑफ एन.ओ.एस. एण्ड ई लर्निंग, नेशानल पॉलीसी ऑन डवलपमेंट ई. लर्निंग।
गोयल विजय, (2008) ए स्टडी ऑन टेक्नीकल एण्ड वोकेशनल एण्ड ट्रेनिंग सिस्टम , प्लानिंग कमीशन इण्डिया।
गुप्ता प्रोफेसर एस. पी. एवं गुप्ता डॉ अलका, (2010), सांख्यिकीय विधियॉ।
प्रतिमा आस्कर, (2011), सरकारी एव गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का अपने व्यवसाय के शिक्षकों का अपने व्यवसाय के प्रति कृत्य संतोष का अध्ययन।
हिल, विलियम, (2012) यूसिंग टेक्नालॉजी टू एन्करेज स्टूडेन्ट मोटीवेशान एण्ड लर्निंग।